Patrika (Indore), 23rd April 2026, Patrika Plus, Page – II

3

एआइ, आइओटी से लेकर जीन तकनीक तक पर चर्चा

# IIT के आंगन में किसानों, उद्योगों व एफपीओ को मिला ज्ञान का मंच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**इंदौर.** खेती को तकनीक से ज्यादा लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए आइआइटी इंदौर में कृषि का भविष्य- डीप एग्री टेक्नोलॉजी, मार्केट और एफपीओ विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें किसान समूहों, कृषि उद्योगों और तकनीकी विशेषज्ञों को एक ही मंच पर लाया गया। एग्रीहब, आइआइटी इंदौर द्वारा भारतखंड और सॉलिडेरिडाड के साथ मिलकर आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य उन एफपीओ (किसान उत्पादक संगठनों) और कंपनियों को जोड़ना था, जो नई कृषि तकनीकों को अपनाने और लागू करने में रुचि रखते हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसी तकनीक विकसित करनी चाहिए जो समाज और किसानों के काम आए। डीप एग्रीटेक प्रोजेक्ट्स पर गंभीर चर्चा की जरूरत है। सॉलिडेरिडाड के डॉ. सुरेश मोटवानी ने कहा कि यदि तकनीक को जमीन तक पहुंचाना है तो मजबूत बाजार व्यवस्था और एफपीओ के जरिए किसानों से सीधा जुड़ाव जरूरी है। कार्यशाला में कई आधुनिक एग्रीटेक प्रोजेक्ट्स पेश किए गए, जिनमें जीनोमिक विजुअलाइजेशन टूल, एआइ और आइओटी आधारित फसल सलाह सिस्टम, भूजल प्रबंधन तकनीक और मिट्टी के सूक्ष्मजीवों का विश्लेषण जैसी तकनीकों को दिखाया गया। इसका मकसद खेती को ज्यादा वैज्ञानिक और सटीक बनाना है, ताकि लागत कम हो और उत्पादन बढ़े।

## किसानों और कंपनियों के बीच सीधा संवाद

कार्यक्रम में दो पैनल चर्चा हुई। इनमें किसानों, एफपीओ और उद्योग प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। इसमें बाजार से सीधा जुड़ाव कैसे बढ़े, किसानों को बेहतर इनपुट कैसे मिले, सप्लाई चेन की दिक्कतें कैसे कम हों और डिजिटल व प्रिसिजन फार्मिंग को तेजी से कैसे अपनाया जाए जैसे विषय शामिल थे। कार्यशाला के दौरान छह स्टॉल लगाए गए, जहां नई तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इनमें फसल कटाई के बाद के प्रबंधन से जुड़े किट और अन्य नवाचार शामिल थे, जिन्हें किसानों के लिए उपयोगी बताया गया। एग्रीहब की प्रमुख अन्वेषक प्रो. अरुणा तिवारी ने कहा कि अब सबसे जरूरी काम इन तकनीकों को कागज से निकालकर खेत तक पहुंचाना है, जिसमें एफपीओ की भूमिका अहम रहेगी।